समाज के विकास में सामुदायिक संचार की अहम भूमिका : प्रो वासुकी

बिलासपुर. हैदराबाद विश्वविद्यालय के संचार विभाग के प्रोफेसर प्रो. वासुकी बेलवाड़ी ने कहा है कि समाज के विकास में सामुदायिक संचार की अहम भूमिका है। सामुदायिक संचार के माध्यमों की विशेश समुदायों को उनकी अपनी भाषा, बोली व संस्कृति में अपनी बात बेहतर तरीके से पहुंचाने की क्षमता होती है। ये सामुदायिक माध्यम कम्युनिटी रेडियो, कम्युनिटी वीडियो, टीवी, कम्युनिटी मैग्जीन, कम्युनिटी नाटक आदि किसी भी रूप में हो सकते हैं।

 प्रो. वासुकी मंगलवार को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के तत्वावधान में आयोजित विशेष व्याख्यान में मीडिया के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। यूटीडी के ए विंग के कक्ष क्रमांक 26 स्मार्ट क्लास रूम में सामाजिक परिवर्तन में संचार की भूमिका विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में प्रो. वासुकी ने वर्तमान समय में संचार माध्यम और समाज में गहरा संबंध एवं निकटता है। संचार माध्यमों ने ही सूचना को सर्वसुलभ कराया है उन्होंने कहा कि हर 30 किलोमीटर पर मिट्टी, पानी, बोली, भाषा व संस्कृति बदल जाती है। ऐसी स्थिति में सामुदायिक मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। लोगों को उनकी बोली, भाषा में अच्छी तरह से सूचनाएं दी जा सकती हैं। प्रो. वासुकी ने कहा कि हर 30 किलोमीटर की दूरी पर सामुदायिक मीडिया की स्थापना होनी चाहिए तभी समाज में अपेक्षित परिवर्तन ला सकते हैं।

 कार्यक्रम का संचालन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ अमिता ने किया। आरंभ में स्वागत भाषण व धन्यवाद विभागाध्यक्ष डॉ धीरज शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकों सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।